ऑल यूनियन एण्ड एसोसिएशन ऑफ बीएसएनएल (म. प्र.)

बीएसएनएल के टुकड़े करना बंद करों....सब्सिडियरी टॉवर कंपनी का निर्णय वापिस लो..

प्रिय सम्मानीय नागरिक बंधुओं आपसे बीएसएनएल की रक्षा के लिए सहयोग की अपील के साथ साथ हम यह अनुरोध भी करते है कि क्यों देश में एक सरकारी टेलीकाम कंपनी का होना जरूरी है। क्यों बीएसएनएल का होना जरूरी है बंधुओं आपको पता ही है कि बीएसएनएल देश के कोने कोने में फैला हुआ है, इसका नेटवर्क देश के हर क्षैत्र में है, देश का सुरक्षा तंत्र हो या खुफिया तंत्र हो, या कोई भी दूरस्थ दुर्गम पहाड़ी क्षैत्र, धरती, आकाश, समुद्र और पाताल सभी जगह अपनी विश्वसनीय सेवा अनवरत रूप से प्रदाय करते आ रहा है, साथ ही बाड़ में, भुकम्प में, भयानक दुर्घटनाओं में या और कोई भयंकर त्रासदी, प्राकृतिक आपदा हुई हो उसमें बीएसएनएल ने हमेंशा कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया है और कर रहा है, बीएसएनएल सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुये देशहित में ओर इसके विकास में अपना अहम योगदान देता आ रहा है। आज हम जनता दरबार में क्यों आये है, यह बहुत बड़ा प्रश्न है दोस्तो, आपने पिछले कई समय से देखा होगा कि बीएसएनएल कर्मी क्यों बार बार प्रदर्शन, धरना, हड़ताल, भुख हड़ताल, सत्याग्रह आंदोलन, मानव श्रंखला बनाना, सांसद महोदय को ज्ञापन, राज्यपाल महोदय को ज्ञापन, दिल्ली में मार्च टु पार्लियामेंट, दिल्ली में मार्च टू संचार भवन, और ध्यानाकर्षण दिवस मनाना आदि कई प्रकार के कार्यक्रम चलाये हुये है, निश्चित रूप से इसके पीछे बहुत बड़ें और गंभीर मुद्दे है जो निम्न है।

1. सरकार ने अक्टोबर 2000 में दूरसंचार विभाग को बीएसएनएल कंपनी बना दिया, उस समय यह देश का सबसे ज्यादा राजस्व कमाने वाला विभाग हुआ करता था।
2. सरकार ने मोबाइल लाइसेंस समय पर अलाट नही किये और प्राइवेट कंपनियों को खुली छुट दी, इस कारण सबसे देर से मोबाइल सेवा बीएसएनएल ला पाया था।
3. सरकार अभी भी बीएसएनएल के साथ सोतेला व्यवहार कर रही है इस कारण $4^{जी}$ सेवा लाने में देरी हो रही है।
4. अभी हर गांवों में घाटे में रहने बावजूद अपनी बेसिक सेवा प्रदान कर रहे है इसके बदले में सरकार कुछ भी धन नही देती है।
5. सरकार बीएसएनएल के टुकड़े कर एक अलग टावर कंपनी बना रही है जिसका हम विरोध कर रहे है। टावर कंपनी मनमाने दाम सभी से वसुलेगी ओर बीएसएनएल की आय का एक बड़ा हिस्सा खत्म हो जायेगा ओर बाद में सरकार इसको निजी हाथो में बेच देगी।
6. पुंजीपतियों की पसंदीदा सरकार बीएसएनएल पर गिद्द द्रष्टि लगाये बैठी है। कि कब इसको भी निजी हाथों में दे दे।
7. जब देश में सरकारी कंपनी नही रहेगी तो ये निजी कंपनिया ग्रुप बनाकर सीमेंट कंपनियों की तरह मनमाना रेट लगाकर जनता को लूटना शुरू करेगी।

अतः आप सभी प्रबुद्व जनों से अनुरोध है कि बीएसएनएल की रक्षा और सुरक्षा हेतु आप हमारा साथ दे और सरकार को अवगत कराने का कष्ट करें। इसी उम्मीद के साथ

निवेदक

परिमंडल सचिव एवं समस्त साथी ऑल यूनियन एण्ड एसोसिएशन ऑफ बीएसएनएल (म. प्र.)

Scanned by CamScanner